

राजधानी के भू-माफियाओं के पास कहां से आए हथियार, रांची पुलिस करेगी जांच

आर्म्स मॉडिफाई करने वाले पुलिस के राडार पर, नागार्लैंड जैसे राज्यों से बन रहे हैं फर्जी लाइसेंस

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। राजधानी रांची में भू-माफियाओं और जमीन दलालों के पास रखे गए हथियार की जांच अब राज्यों पुलिस करेगी। एसएसपी किशोर कौशल ने इस संबंध में राजधानी के थानेवारों के जमीन माफियाओं की सूची बनाकर उनके हथियार व लाइसेंस जांच करने का निर्देश दिया है। एसएसपी को कुछ लोगों के पास फर्जी आर्म्स लाइसेंस होने की सुचना प्राप्त हुई है। एसएसपी का कहना है कि इन भूमि माफियाओं के पास नागार्लैंड जैसे राज्यों से बदल आवंटित करवाई करें।

17 स्थानों पर बनाये जायेंगे पुलिस पोस्ट राजधानी रांची बनेगी सुरक्षित तैयार किया जा रहा सुरक्षा धेरा

खबर मन्त्र व्यूरो



व्याहोगा फायदा

रांची। राजधानी रांची में अपराध पर लगाम लगाने के लिए रांची पुलिस ने आउटर रांची को सेफ बनाने के लिए 17 पुलिस पोस्ट बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और जगह को चिन्हित कर लिया गया है।

आउटर रांची में बनाए जाएंगे 17 पुलिस पोस्ट: राजधानी में आइम कंट्रोल के लिए शहर के बाहरी भाग में सुरक्षा धेरा तैयार हो रहा है। इसके लिए शहर के बाहरी इलाकों में 17 स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां पुलिस पोस्ट बनाया जाएगा। पोस्ट पर पुलिस की चेकिंग की व्यवस्था 24 घंटे रहेंगी। पोस्ट पर तीन वार्षिक जावन तैयार होंगे। इसके लिए प्लानिंग पूरी कर ली गई है। रांची पुलिस ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर पुलिस वाले फरार हो रहे अपराधियों को पकड़ने तो अपराधियों की धर-पकड़ में काफी मदद मिलेगी।

इलाके में रात में चेकिंग अभियान लगाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने 60:40 हकमार नीति को स्वीकार किया, पर समाप्त करना होगा : देवेंद्र नाथ महतो

खबर मन्त्र संवाददाता



प्रेसार्थी के दौरान 60:40 नाय वलतों को लेकर अपनी बात रखते देवेंद्रनाथ महतो।

रांची। 60:40 नाय वलतों औंडेलन के अग्रवाल जेसपाय प्रमुख और जेवीकेएसपी के केंद्रीय अध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने अक्सीजन पार्क मोराबादी रांची में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछली नी महीने से लावं औंडेलन के परिणामवरूप मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मानसून सत्र के समाप्त भाग के दौरान नियोजन नीति मापदंश पर चुप्पी तोड़ते हुए राज्य सरकार के द्वारा चाल रहे सभी नियुक्त प्रक्रिया 60:40 नीति के तहत होने वाले को स्वीकार किया लेकिन

रांची। मीडिया को संबोधित करते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने मुख्यमंत्री को अब 60:40 हकमार नीति वापस कर 72 विधायक द्वारा दिया गया लिखित समर्थन क्षेत्रीय और जनसातीय प्राप्त के सुझावित खतियान आधारित सर्वेधानित नियोजन नीति लागू करने के नियुक्त प्रक्रिया शुरू करने का मांग किया। जिससे आर्कांड और आर्कांडियों को नौकरी हो। उन्होंने आंदोलन के दौरान राज्यभर में हुई फर्जी मुकदमा को वापस करने की भी मांग किया।

मीडिया को संबोधित करते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने मुख्यमंत्री को अब 60:40 हकमार नीति वापस कर 72 विधायक द्वारा दिया गया लिखित समर्थन क्षेत्रीय और जनसातीय प्राप्त के सुझावित खतियान आधारित सर्वेधानित नियोजन नीति लागू करने के नियुक्त प्रक्रिया शुरू करने का मांग किया। जिससे आर्कांड और आर्कांडियों को नौकरी हो। उन्होंने आंदोलन के दौरान राज्यभर में हुई फर्जी मुकदमा को वापस करने की भी मांग किया।

आकलन परीक्षा पास करने के नाम पर पारा शिक्षकों से बिचौलिए वसूल रहे थे पैसे जैक ने पारा शिक्षकों से ऐप्से की अवैध उगाही पर लगाया ब्रेक

जैक अध्यक्ष ने आंसर की ओर ओएमआरसीट जारी कर उनके मंसूबों पर फेरा पानी

सुधीर

रांची। झारखंड अधिविध परिषद (जैक) ने शनिवार को आकलन परीक्षा का अंसर की ओर ओएमआर शीट जारी कर पारा शिक्षकों से किए जा रहे अवैध उगाही पर ब्रेक लगा दिया है। हालांकि देव से ब्रेक लगने के कारण जैक शिक्षक विचालैंपे के बूजे जाल में फेस चुके हैं। परंतु जैक अध्यक्ष अनेल कुमार महतो

ने एक बड़े गुप्त को बचा लिया है। उन्होंने पारा शिक्षकों को आकलन परीक्षा पास करने के नाम पर शिक्षकों के लिए जैक ने आकलन परीक्षा आयोजित की थी। हालांकि इस परीक्षा में अनुरीपी होने वाले पारा शिक्षकों को दूसरी और तीसरी बार भी मोका मिलेगा। अब वह तीन में किसी भी एक परीक्षा में 40 फीसदी अंक नहीं लापांगे तो उन्हें मानदेय में बढ़ोतारी का लाभ नहीं मिलेगा। परंतु वैसे पारा शिक्षक जो 3 बार की परीक्षा में शामिल होने के बाद किसी भी एक परीक्षा में 40 फीसदी अंक ले आते हैं तो वह 10 फीसदी मानदेय बढ़ोतारी के हफ्तदार होंगे।

ओर से राज्य के 43 हजार बैंटें पारा परीक्षा से ऐप्से के लिए आकलन परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा को फ्रैक करने के लिए वसूली पर पारा शिक्षकों के बूजे जाल में फेस चुके हैं। मालूम हो कि 30 जनवरी को बढ़ोतारी के लिए 10 फीसदी की बढ़ोतारी के लिए 40

फीसदी की बढ़ोतारी के लिए 10 फीसदी की बढ़ोतारी के लिए 40

राजधानी

झारखंड के 57 रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : राधाकृष्णन

सिर्फ हथिया स्टेशन पर खर्च होंगे 355 करोड़ रुपये

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। राजधानी रांची में खारेंगे के लिए किया जाता है हथियारों को मार्डिफाई दरअसल जब राइफल जैसे हथियारों को मार्डिफाई कर दिया जाता है तो वह और भी खतरनाक दिखते हैं, जब उन्हें लेकर जमीन माफिया और जमीन दलाल किसी स्थान पर कांडागारी करने जाते हैं तो वे खासी लाइसेंस के लिए दिखते हैं। एसएसपी ने रांची के सभी थानेवारों को देखकर डर जाते हैं। एसएसपी को देखकर कर्तव्य करें।

किशोर कौशल, एसएसपी, रांची

किशोर कौशल, एस

डॉक्यूमेंटेशन के लिए लिखना आवश्यक है : अजित सिन्हा

डॉ मुजफ्फर रचित झारखंड के मुसलमान सहित दो पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

खबर मन्त्र व्यूटो

रांची। डॉ मुजफ्फर हुसैन की दो शोधप्रकर पुस्तकों का लोकार्पण रविवार को प्रेस क्लब में किया गया। पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि के तौर पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजित कुमार सिन्हा, विशेष अतिथि खायद आपूर्ति आयोजन की सदस्य शब्दनाम परवीन, विशेष अतिथि वरिष्ठ पलकार शंखनाथ चौधरी और विशेष अतिथि उदय चौहान ने संयुक्त रूप से किया।

मौके पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजित कुमार सिन्हा ने कहा कि डॉ मुजफ्फर हुसैन की झारखंड के मुसलमान नामक पुस्तक एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। इसका महत्व दस्तावेज के अनुसार बाइबल के समान है। ऐसी पुस्तक अब तक प्रकाशित नहीं हुई है। पुस्तक में जिन सामग्रियों का उपयोग किया गया है, अद्भुत है। इससे लोग काफी लाभान्वित होंगे।



पुस्तक का लोकार्पण करते लोग।

उन्होंने कहा कि डॉक्यूमेंटेशन के लिए लिखना बहुत जरूरी है। लिखित सामग्री आपात वाली पीढ़ी के लिए ज्ञानवर्द्धक और मार्गदर्शक सिद्ध होती है। दूसरी पुस्तक झारखंड की मुस्लिम विभिन्नताओं भी नामक पुस्तक का मूल्य 700 रुपये एवं झारखंड की मुस्लिम विभिन्नताओं का पुस्तक का मूल्य 600 रुपये है।

पुस्तक विशेषणात्मक एवं वर्णनात्मक प्रकृति का है। इसे लिखने में सर्वेक्षण एवं मूल्यांकन पहली का सहारा लिया गया है। प्रथम पुस्तक एवं पुस्तक के साथ-साथ आलम, इमारत-ए-शरीदार, अद्भुत, अदिल रसीद, अपिष्ठ हुसैन समेत कई कार्यक्रम का संचालन डॉ के अनुसार काका को कार्यक्रमित्यु मिज और परवेज कुशी के लिया। मैंने पर डॉ कुर्सी के लिया। उन्होंने हर संभव मदद करने का आशासन दिया। इस अवसर पर शब्दनम परवीन, अवधूत है।

पुस्तकों का प्रकाशन झारखंड द्वारा, रांची के द्वारा किया गया है। इनमें झारखंड के मुसलमान नामक पुस्तक का मूल्य 700 रुपये एवं झारखंड की मुस्लिम विभिन्नताओं का पुस्तक का मूल्य 600 रुपये है।

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.



भोलेनाथ पर घढ़ाए जाने वाले बिल्वपत्र की क्या है खासियत

जग्नी बाहुदेव

सदुरु से भक्त ने पृथि- शिव जी को चढ़ाए जाने वाले बिल्वपत्र की क्या है खासियत, ये था उनका जवाब

यह हमेशा कहा गया कि बिल्व शिव को प्रिय है। उनके लिए सबकुछ एक है। प्रवचन में आगे सदुरु कहते हैं कि ऐसा नहीं है कि ये शिव को प्रिय है।

सदुरु जग्नी बाहुदेव से एक भक्त ने पृथि की चाही को चढ़ाए जाने वाले बिल्वपत्र की खासियत कहा है। साथ ही इसे भगवान शिव को चाही चढ़ाया जाता है। इस प्रश्न का उत्तर देते हुआ उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने कुछ फूलों और पत्तियों का भगवान शिव को प्रिय है। उनके लिए सबकुछ एक है। प्रवचन में आगे सदुरु कहते हैं कि ऐसा नहीं है कि ये शिव को प्रिय है। इसके शिव को प्रिय होने की अर्थ है कि एक तरह से इसके स्पन्दन उस तरह के सबसे ज्यादा करीब है।

एक उदाहरण देते हुआ मान से कहा कि नीम का फल और आप दोनों एक ही मिट्टी से निकलते हैं, लेकिन उनका स्वाद अलग-अलग है। इसलिए मनुष्य का ये जीवन जो इस मिट्टी के साथ प्रक्रिया करता है और वो जीवन जो इसी मिट्टी के साथ जीवित करता है, वो अलग-अलग होती है। सामाजिक नीमों के लिए इसके कोई नहीं पड़ता कि मनुष्य किसने तरीके से समाज और लोगों को बाबर रखने की कोशिश की है। सामाजिक नीमों के लिए इसके साथ सदुरु से अधिक मनुष्य से बाहर रहते हैं, जो कि गलत है।

मैं होता हूँ। ऐसे ही जीवन के दूसरे रूपों के लिए भी होता हूँ।

ये सच है कि पेढ़ी के साथ ही ऐसा ही है। ऐसे में जो लोग आध्यात्मिक मार्ग पर हैं वे लगतार सर संभव तरीकों से सहारा छूटते हैं। क्योंकि जब मनुष्य एक लंबी यात्रा पर होता है तब वह हर छोटे से छोटे सहारा का इस्तेमाल करना चाहता है। आगे सदुरु कहते हैं कि लोगों ने हर उस छोटी से छोटी चीज को पहचाना जो उसके लिए सहायक हो सकती है। ऐसे में कई पूर्ण और पत्तियों का भी सहारा लिया। वह हमेशा कहा गया कि बिल्व शिव को प्रिय है। उनके लिए सबकुछ एक है। प्रवचन में आगे सदुरु कहते हैं कि ऐसा नहीं है कि ये शिव को प्रिय है। इसके शिव को प्रिय होने की अर्थ है कि एक तरह से इसके स्पन्दन उस तरह के सबसे ज्यादा करीब है।

एसे ही मनुष्य ने कई चीजें पहचानी हैं और सिर्फ वही चीजें परिवर्ती की जाती हैं। क्योंकि वे मनुष्य के लिए संरक्षक बनाने का साधन बन जाती है। मनुष्य बिल्वपत्र को भगवान के पास छोड़ नहीं आता बल्कि वे इसे अपने साथ ले आते हैं। ऐसे कई चीजें ही जिन्हें पवित्र साधनों की तरह पहचाना गया है, जिनका लोग इस्तेमाल करते हैं। सदुरु बताते हैं कि बिल्वपत्र का संबंध देवताओं से नहीं है। बल्कि इसका संबंध मनुष्य से या किसी चीज तक पहुँच बनाने की काविलियत से है।

शिव श्रद्धा के भगवान

कई श्रद्धा पूर्वक केवल एक लोटा जल अर्पित कर दे तो भी वे प्रसन्न हो जाते हैं। इसलिए उन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है। सावन के पांचवें सोमवार पर अधिक मास की सप्तमी तिथि पड़ रही है। वहीं इस दिन अश्विनी नक्षत्र सुबह से लेकर देर रात 01 बजकर 16 मिनट तक है।

सावन के पांचवें सोमवार पर रवि योग और शूल योग बन रहा है। रवि योग में शुभ कार्य, पूजा आदि करने से मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी और धन में बढ़ि होती है।

भद्रा और राहुकाल

सावन के पांचवें सोमवार पर राहु काल सुबह 07 बजकर 26 मिनट से सुबह 09 बजकर 06 मिनट तक है। वहीं भद्रा का समय सुबह 05 बजकर 17 मिनट तक है।

शिव पूजा के लिए शुभ मुहूर्त

पांचवें सोमवार के दिन शिव पूजा के लिए दिन भर शुभ मुहूर्त है। इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक है। वहीं ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजकर 21 मिनट से सुबह 05 बजकर 03 मिनट तक है।

भद्रा और राहुकाल

सावन के पांचवें सोमवार पर राहु काल सुबह 07 बजकर 26 मिनट से सुबह 09 बजकर 06 मिनट तक है। वहीं भद्रा का समय सुबह 05 बजकर 17 मिनट तक है।

शिव पूजा के लिए शुभ मुहूर्त

पांचवें सोमवार के दिन शिव पूजा के लिए दिन भर शुभ मुहूर्त है। इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक है। वहीं ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजकर 21 मिनट से सुबह 05 बजकर 03 मिनट तक है।

शिव पूजा के लिए शुभ मुहूर्त

पांचवें सोमवार के दिन शिव पूजा के लिए दिन भर शुभ मुहूर्त है। इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक है। वहीं ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजकर 21 मिनट से सुबह 05 बजकर 03 मिनट तक है।

आखिर क्यों शिवलिंग की आधी परिक्रमा की जाती है

कुछ नियमों का उल्लेख धर्मस्थास्त्रों में शिवलिंग की परिक्रमा के लिए किया गया है, मात्रात्मा है कि शिवलिंग की कभी भी पूरी परिक्रमा नहीं करनी चाहिए।

शिवलिंग की पूजा का विशेष महत्व है। शिवलिंग पूजा के नियम भी अत्यन्त हैं। लोग शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं। ऐसे में सावन के पांचवें सोमवार पर भगवान भोलेनाथ की आत्मी करते हैं। और भगवान अर्पित करते हैं। इसके अलावा शिवलिंग पर चंद्रन का लोप किया जाता है। और तरलबल है कि किसी भी पूजा का संपूर्ण फल नब भिला है। ऐसे विशेष परिक्रमा करने के लिए आकर चारों ओर से परिश्रृङ्खला लौटाते हैं।

इसे शिवलिंग की आधी परिक्रमा भी कहा जाता है। इस बात का ध्यान रखें कि परिक्रमा दाइ तफसे की भी शुरू नहीं करनी चाहिए। शिवलिंग की आधी परिक्रमा करने के साथ ही। परिक्रमा बड़ी के चलने की दिशा में यानी दाएं से बाएं की जाती है लेकिन इससे अलग अलग की जाती है। लोग शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं। बेल पत्र, धूतरा और भाग अर्पित करते हैं। इसके अलावा शिवलिंग पर चंद्रन का लोप किया जाता है। और तरलबल है कि किसी भी पूजा का संपूर्ण फल नब भिला है। ऐसे विशेष परिक्रमा करने के लिए आकर चारों ओर से परिश्रृङ्खला लौटाते हैं।

शिवलिंग की परिक्रमा भी करनी चाहिए। इसके लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। साथ ही आत्मी के समय 'ॐ गौरी शंकराय नमः' और 'ॐ पार्वतीपतये नमः' का एक माला जाप करते हैं। इस उपाय को करने से सीधे विवाह करते हैं।

शिवलिंग की परिक्रमा भी करनी चाहिए। इसके लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए शरीर पर जल चढ़ाते हैं। जिस स्थान से जल चढ़ाते हैं वहीं उपर विशेष परिक्रमा करते हैं। इसके लिए उपाय को करने से सीधे विवाह करते हैं।

शिवलिंग की परिक्रमा भी करनी चाहिए। इसके लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

यदि कठी में देहन करने के बाद भी करियर में पूर्णविकास करते हैं। साथ ही आत्मी के आत्मी करते हैं। शिवलिंग की पूर्ण परिक्रमा करने के लिए उपाय के लिए उपाय

